बरेली कॉलेज

मनोविज्ञान विभाग

बरेल कॉलेज में मनोविज्ञान विषय की शुरूआत वर्ष 1997 में हुई थी, तभी से यहाँ स्नातक स्तर पर मनोविज्ञान विषय का अध्ययन–अध्यापन अनवरत रूप से जारी है। विभाग में शिक्षक पूरी कर्त्तव्यनिष्ठा से शैक्षिक व प्रायोगिक कक्षाओं का सफल संचालन करते आ रहे हैं। इसके अतिरिक्त यहाँ शिक्षकों द्वारा अपने विद्यार्थियों को समय–समय पर मानव मूल्यों और जीवन के व्यवहारिक पक्ष की भी शिक्षा दी जाती है। साथ–साथ उन्हें मनोविज्ञान से जुड़े अन्य विषयों की भी जानकारी दी जाती है और उनकी कैरियर काउंसलिंग भी की जाती है।

मनोविज्ञान क्या है?

मनुष्य का व्यक्तित्व उसके मन, मस्तिष्क और शरीर का संगठन है। मनोविज्ञान, मानव मन के विज्ञान का अध्ययन है, या यह कहे कि मनोविज्ञान, मनुष्य के व्यक्तित्व व मानव व्यवहार की सम्पूर्ण व्याख्या है।

यह विषय, व्यक्ति के जागते–सोते उसके क्रिया–कलाप का अध्ययन करता है। यहाँ तक कि यह विषय व्यक्ति के सपनों का भी विश्लेषण करता है। मनोविज्ञान द्वारा व्यक्ति की योग्यताओं व बुद्वि का वैज्ञानिक मापन किया जाता है। इसके ज्ञान के प्रयोग से न सिर्फ यह अनुमान लगाया जाता है। कि किस प्रकार के व्यक्तित्व को भविष्य में क्या समस्याएँ उत्पन्न होंगी, बल्कि उन समस्याओं का स्थायी निदान भी किया जाता है।

यह विषय, व्यक्ति को अपने मन का, अपने समय का व स्वयं का प्रबंधन सिखाता है। यह विषय जीवन के दर्शन से परिचय कराता है। पुराने समय में मनोविज्ञान को आत्मा, मन चेतना का विज्ञान कहा जाता था परन्तु आधुनिक समय में यह व्यवहार के विज्ञान के रूप में विकसित हुआ है।

बरेली कॉलेज

मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान की आवश्यकता क्यों?

मनुष्य एक चिंतनशील प्राणी है। इसी कारण वह स्वयं के साथ–साथ दूसरे प्राणियों को जानने व समझने का प्रयास करता रहता है। यहीं से उसका चिन्तन शुरू हो जाता है। व्यक्ति कैसे व्यवहार करता है, कैसे और क्या अनुभव करता है, किन कारणों से उसका व्यवहार प्रभावित होता है, और इस प्रकार के अन्य प्रश्नों का उत्तर मनोविज्ञान देता है। इसी कारण मनोविज्ञान का अध्ययन किया जाता है।

मनोविज्ञान में व्यवसायी अवसर

आधुनिक जीवन शैली की बढ़ती जटिलताओं के चलते आज के समय में मनोवैज्ञानिकों की आवश्यकता तेजी से बढ़ रही है। पुनर्वास केन्द्रों, अस्पतालों आदि में मनो रोंगों के निदान हेतु मनोचिकित्सकों की मांग है। कुछ शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की कैरियर काउसलिंग हेतु और उनके मानसिक स्वास्थ्य की देख–भाल के लिए काउंसलिंग की आवश्यकता होती है। उद्योगों का कॉरपोरेट क्षेत्रों में भी कर्मचारियों के प्रबन्ध को संभालने और नीति–निर्धारण में परामर्श प्रदान करने के लिए मनोवैज्ञानिक का पद होता है। इस विषय में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वालों के लिए अध्यापन और अनुसंधान–शोध का विकल्प भी खुला है। साथ ही, निजी व्यवसाय के रूप में मनोवैज्ञानिक परमार्शदाता बनने की राह को भी चुना जा सकता है।

इण्टर कॉलेज, महाविद्यालय एवं यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों को शिक्षक के रूप में सरकारी एवं गैर सरकारी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

डॉ सुविधा शर्मा
(विभाग प्रभारी)
एम.फिल, पी. एच. डी
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय

डॉ हेमा खन्ना
(सहायक प्रोफ़ेसर)
नैट., पी. एच. डी
लखनऊ विश्वविद्यालय

डॉ मनीष मिश्रा
(प्रयोगशाला सहायक)
पी. एच. डी
रोहिलखंड विश्वविद्यालय

श्री जाबिर अली